

मानेसर में आयुष्मान भारत योजना के तहत गोल्डन कार्ड वितरण कार्यक्रम का होगा शुभारंभ

चर्चा में क्यों?

15 नवंबर, 2022 को हरियाणा सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा नदिशालय से मली जानकारी के अनुसार आयुष्मान भारत योजना के तहत गोल्डन कार्ड बनाए जाने हेतु मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर 21 नवंबर को राज्य के मानेसर में गोल्डन कार्ड वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ कर लाभार्थियों को गोल्डन कार्ड वितरित करेंगे।

प्रमुख बद्दि

- हरियाणा सरकार ने आयुष्मान भारत योजना के तहत राज्य के ऐसे ज़रूरतमंद परिवारों को भी लाभ देने की शुरुआत की है, जिनका नाम वर्ष 2011 के सामाजिक, आर्थिक और जातगत जनगणना (एसईसीसी) डाटा में दर्ज नहीं था।
- हर व्यक्ति को स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ देने के लिये सरकार द्वारा लगातार स्वास्थ्य सेवाओं का सुदृढीकरण और वसितारीकरण किया जा रहा है। इसलिये मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन से राज्य सरकार ने बड़ा कदम उठाते हुए राज्य में एसईसीसी सूची में शामिल परिवारों के अलावा ऐसे सभी परिवारों, जिनकी वार्षिक आय 1.80 लाख रुपए तक है, उन्हें आयुष्मान भारत योजना का लाभ देने का निर्णय लिया है।
- एसईसीसी डाटा के अलावा इस योजना में शामिल किये जाने वाले अन्य परिवारों का 5 लाख रुपए तक का खर्च राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाएगा।
- उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने वर्ष 2018 में 'आयुष्मान भारत योजना' की घोषणा की थी, जिसका उद्देश्य देश में ज़रूरतमंद व वंचितों को स्वास्थ्य सुविधाएँ देना था।
- राज्य में भी एसईसीसी सूची के अनुसार पात्र लाभार्थियों को इस योजना का लाभ दिया जा रहा है, लेकिन मुख्यमंत्री द्वारा अधिक-से-अधिक गरीब परिवारों को आयुष्मान भारत योजना का लाभ मुहैया करवाने के उद्देश्य से बीपीएल परिवारों की वार्षिक आमदनी सीमा को 20 लाख रुपए से बढ़ाकर 1.80 लाख रुपए किया गया है।
- ज्जातव्य है कि केंद्र सरकार के मापदंडों के अनुसार हरियाणा में 15,51,798 परिवार इस योजना में कवर हो रहे थे, लेकिन राज्य सरकार ने योजना का दायरा बढ़ाया, जिसके कारण अब राज्य के 28 लाख परिवारों को इस योजना का लाभ मल्लेगा। इन सब परिवारों को आयुष्मान भारत योजना के तहत 5 लाख रुपए तक की निःशुल्क चिकित्सा सुविधा भी मुहैया करवाई जाएगी।
- हरियाणा में अब तक 28,89,036 आयुष्मान कार्ड बनाए गए हैं। राज्य में आयुष्मान भारत योजना के तहत कुल 715 अस्पताल एम्पैनल्ड हैं, जिनमें 539 नज्जी अस्पताल और 176 सरकारी अस्पताल शामिल हैं। इन अस्पतालों के माध्यम से ज़रूरतमंद व्यक्तियों को स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मलि रहा है।